

शोध मंथन

हिन्दी शोध (पत्रिका)

शोध मंथन में समाज, साहित्य, कला, राजनीति, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, पुस्तकालयविज्ञान, पत्रकारिता शिक्षा, कानून, इतिहास, दर्शन, महिला शिक्षा, महिला जगत, पुरुष, बाल जगत आदि के जुड़े विषय पर उत्कृष्ट, मौलिक, तरुपरक, वैज्ञानिक पद्धति से युक्त व प्रासंगिक उच्चस्तरीय शोधपत्रों को प्रकाशित किया जाता है।

सम्पादक:

डॉ० (के०) अन्जुला राजवंशी,
एसो० प्रो०, आर० जी० पी०जी० कॉलिज, मेरठ

सम्पादकीय समिति

- डॉ० सुनीता बडोला, एच० एन० ब०, गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर
डॉ० सौरभ कुमार, असि० प्रो०, हिन्दी विभाग, सतीश चन्द्र धवन राजकीय महाविद्यालय, लुधियाना
डॉ० सत्यवीर सिंह, असि० प्रो०, समाजशास्त्र विभाग, चौ० जी० एस० गर्ल्स डिग्री कालिज, सहारनपुर
डॉ० विनोद कालरा, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, कन्या महाविद्यालय, जालन्धर
डॉ० अनामिका, असि० प्रो०, एन० के० बी० एम० जी० पी०जी० कॉलिज, चंदौसी
डॉ० साहब सिंह, मौलाना आजाद उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद
डॉ० पूजा खन्ना, पूर्व प्रवक्ता, के० जी० पी० जी० कॉलिज, मुरादाबाद
डॉ० कामना कौशिक, असि० प्रो०, सी० एम० के० नेशनल पी० जी० गर्ल्स कॉलिज, सिरसा हरियाणा

- शोध मंथन त्रि-मासिक जर्नल है।
- शोध मंथन में पूर्व प्रकाशित लेख व पत्र प्रकाशित नहीं किये जाते।
- शोध मंथन के प्रबन्ध सम्पादक पूर्व निर्धारित हैं। यथा समय अतिथि सम्पादक चयनित किये जाते हैं।
- प्रकाशित सामग्री का कॉपी राइट जर्नल अनु बुक्स, मेरठ का है।
- अपना शोध पत्र प्रकाशित करवाने के लिये ई-मेल के द्वारा अपने पूर्ण पते के साथ भेजें।
- सम्पादकीय समिति का निर्णय अन्तिम होगा।
- **Authors are responsible for the cases of plagiarism.**

Published by JOURNAL ANU BOOKS in support of
KAILBRI INTERNATIONAL EDUCATIONAL TRUST
Printed by D.K. Fine Art Press Pvt. Ltd., New Delhi.

हमारे यहाँ लेख प्रकाशित करने का कोई मूल्य नहीं लिया जाता है।

Subscription

India	Rs. 750.00 प्रति अंक	Rs. 3000.00 वार्षिक
Foreign	\$75.00 प्रति अंक	\$ 300.00 वार्षिक

ISSN: (P) : 0976-5255 (e) : 2454-339X

Impact Factor 5.463 (SJIF)

शोध मंथन हिन्दी शोध पत्रिका

A Peer Reviewed & Refereed International Journal in Hindi

Vol. X No. 1

Part 1

March 2019

U. G. C. Approved List No. 40908

<https://doi.org/10.31995/shodhmanthan>

अनुक्रमणिका

1. कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' में वर्णित शिक्षा-दर्शन एवं उसकी वर्तमान में प्रासंगिकता
डॉ० सारिका शर्मा 1
2. 'बाबूजी' कहानी संग्रह में चित्रित सामाजिक समस्या
डॉ० राजेंद्र सोमा घोडे, 14
3. अवध के नवाबों के काल में संगीत परंपरा
डॉ० शम्पा चौधरी 19
4. हिन्दी महिला उपन्यास साहित्य और स्त्री सशक्तिकरण
डॉ० मुख्तार अहमद गुलगुंदी 26
5. दलित साहित्य में भाषा और कला का प्रश्न
डॉ० नितिन गायकवाड 33
6. भारतीय सामाजिक जीवन में महिलाओं का बदलता स्वरूप
डॉ० सत्येन्द्र कुमार 43
7. बौद्धकालीन कृषि व्यवस्था का अवलोकन
प्रो० राकेश कुमार शर्मा, प्रशान्त कुमार 49
8. ग्राम पंचायत और अनुसूचित जाति महिलाएं
सुनीता रानी, डॉ० राकेश कुमार राणा 58
9. नारी विमर्श : 21 वीं सदी में नारी की दशा और दिशा
डॉ० पूजा रानी 66
10. घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 के भारतीय समाज पर प्रभाव
डॉ० निरंकार सिंह 72

11.	मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों में नारी चित्रण प्रेटी पुष्कर	78
12.	नई शिक्षा नीति के मुद्दे डॉ० ओ० पी० चौहान	84
13.	दलित मानवाधिकार के मुद्दे शिवानी	88
14.	धर्म एवं संगीत का पारस्परिक संबंध एवं धर्म के प्रचार में विभिन्न गायन शैलियों का योगदान अन्धू शर्मा	95
15.	अभिशाप्त बाल श्रमिक : एक विशेषण डॉ० मनोरमा राय	107
16.	भारत में नगरीय प्रबन्धन की चुनौतियाँ – एक विश्लेषण डॉ० जी० सी० पाण्डेय,	115
17.	भूमण्डलीकरण के दौर में उत्तर प्रदेश की थारू जनजाति का विश्लेषण सन्दीप कुमार वर्मा	119
18.	राधे मोहन राय कृत कहानी संग्रह 'बही लिखकर क्या होगा' का शिल्प डॉ० नरेश कुमार सिहाग	126
19.	भारत के ग्रामीण क्षेत्र में जनसंचार माध्यमों के प्रसार का मूल्यांकन धीरेन्द्र कुमार, डॉ० शिवाली अग्रवाल, विजय कुमार	132
20.	भारतीय संसदीय व्यवस्था : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य सर्वजीत नाहर	138
21.	महिला सशक्तिकरण : दिशा और दशा डॉ० ममता रानी	147
22.	पितृत्व के बदलते प्रतिमान : लैंगिक संदर्श डॉ० अपर्णा जोशी	153
23.	भारतीय अर्थव्यवस्था: सतत् विकास की ओर डॉ० (श्रीमती) मन्जू मगन	157
24.	सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर बालिका शिक्षा के प्रति अभिभावकों के रुझान का अध्ययन श्री गोविन्द सोनी	165
25.	टिहरी बाँध निर्माण की पृष्ठभूमि एवं इसके उद्देश्य डॉ० राकेश चन्द्र रयाल	170
26.	समकालीन समय में नैतिक राजनैतिक एवं आर्थिक संदर्भ में गांधी जी डॉ० सीमा रानी	175

27.	राजस्थानी कलाकारों द्वारा अलंकृत वस्तुओं का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यवसायिकरण—एक विवेचनात्मक अध्ययन डॉ० रीता सिंह	180
28.	'ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं महिलाओं की भूमिका डॉ० विनोद कुमार	186
29.	वर्तमान युग में गाँधी जी की प्रासंगिकता डॉ० विनीता गुप्ता	192
30.	मेरठ जनपद के माध्यमिक स्तर पर अनुदानित अल्पसंख्यक एवं गैर अनुदानित अल्पसंख्यक विद्यालयों के शैक्षिक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन डॉ० निशा सिंह	197
31.	शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्रों में अभ्यासरत प्रशिक्षुओं के समायोजन का लैंगिक परिपेक्ष्य में तुलनात्मक अध्ययन मनीषा, डॉ० नीतू चावला	206
32.	माखनलाल चतुर्वेदी और दिनकर की प्रगतिवादी विचारधारा डॉ० सपना बंसल	215
33.	प्राचीन भारत में शिक्षण संस्थायें डॉ० एन्दी शास्त्री	222
34.	प्रख्यात फोटोग्राफर 'सुरिंदर मोहन धामी' की कला यात्रा डॉ० कविता सिंह	228
35.	परिवार का बदलता स्वरूप : समस्याएं व चुनौतियों का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन विवेक सुकृष्ण	233
36.	पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के आर्थिक विचारों की मानव कल्याण में भूमिका प्रवेश कुमारी	241
37.	औपनिवेशिक भारत वर्ष में उत्तर-पूर्वी प्रांत में लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना (1920-1921) ऐश्वर्य कीर्ति लक्ष्मी	247
38.	हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना डॉ० रति तिवारी	251
39.	उत्तराखण्ड आन्दोलन : ऐतिहासिक सामाजिक संदर्भ डॉ० जी० सी० पाण्डे	255
40.	विवेकानन्द के चिन्तन में राज्य और समाज की संकल्पना डॉ० विक्रम सिंह	263
41.	भारत में सामाजिक रूपान्तरण डॉ० अनिल कुमार मिश्र	270
42.	परिवार व कैरियर के सम्बन्ध में महिलाओं की विचारधारा का समाजशास्त्रीय अध्ययन	

	डॉ० जयशंकर प्रसाद पाण्डेय, पूजा तिवारी	275
43.	टोहाना क्षेत्र के राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन	
	डॉ० राजेन्द्र कुमार गोदारा	281
44.	प्रगतिवाद में राष्ट्रीयता	
	जितेन्द्र कौर	286
45.	गाँधी और अम्बेडकर : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	
	डॉ० ममता रानी	290
46.	उदारीकरण एवं दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्था चुनौतियाँ एवं सम्भावनायें	
	डॉ० अखिलेश मिश्र	298
47.	शैली निर्धारक तत्वों के आधार पर विवेचन "जयपुर शैली"	
	डॉ० दिव्या शर्मा	306
48.	विद्यालयों में ललितकला शिक्षण—अधिगम में आईसीटी, कला सामग्री और संसाधन की जांच एवं उपलब्धता	
	निमेश, राजेश कुमार	315
49.	कुशीनगर जनपद में संसाधन आधार एवं जनसंसाधन	
	विनय कुमार यादव	325
50.	कानपुर महानगर के अस्थि विकलांग व सामान्य विद्यार्थियों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन	
	डॉ० ओमपाल सिंह	334
51.	गरीबी उन्मूलन में स्वयं सहायता समूहों की भूमिका: समाजशास्त्रीय विश्लेषण	
	डॉ० अनूप कुमार सिंह	340
52.	समसामयिक आधुनिक कला का स्वरूप	
	मुकेश कुमार, डा० (श्रीमति) गीता राणा	346
53.	पिछड़ा वर्ग उत्थान और डॉ० बी०आर० अम्बेडकर	
	डॉ० निरंकार सिंह	354